६. संगतकार

कविता का सारांश

कविता 'संगतकार' में कवि मंगलेश डबराल ने मंच पर मुख्य गायक के साथ गाने वाले सहगायक (संगतकार) की भूमिका को महत्व दिया है। सामान्यतः प्रशंसा मुख्य गायक को ही मिलती है, लेकिन संगतकार की मधुर, काँपती हुई आवाज़ गायक को सहारा देती है और पूरी प्रस्तुति को सफल बनाती है।

जब मुख्य गायक कठिन तानों में उलझ जाता है या स्वर थक जाते हैं, तब संगतकार स्थायी को सँभालकर उसे संभलने का अवसर देता है। वह मुख्य गायक को यह विश्वास दिलाता है कि वह अकेला नहीं है और फिर से गाया जा सकता है।

कवि बताते हैं कि संगतकार का स्वर भले ही पीछे रहे, पर उसकी उपस्थिति मुख्य गायक की शक्ति है। उसकी विनम्रता और सहारा यह सिखाते हैं कि हर कार्य में सामने दिखने वाला ही नहीं, बल्कि परदे के पीछे योगदान देने वाला भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है।

👉 इस प्रकार कविता हमें यह शिक्षा देती है कि समाज में हर व्यक्ति का अपना महत्व है। सच्ची कला सहयोग और सामंजस्य में ही पूर्ण होती है।

www.onepointlearning.com

प्रश्न - अभ्यास

1. **संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?**

   उत्तर: कवि उन व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाहते हैं जो मुख्य या प्रमुख व्यक्ति की सफलता में सहायक होते हैं। ये लोग मुख्य व्यक्ति को सहारा देते हैं, उनका सहयोग करते हैं और उनके काम को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, लेकिन खुद प्रसिद्धि या श्रेय की अपेक्षा नहीं करते।

2. **संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?**

   उत्तर: संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा कई अन्य क्षेत्रों में भी दिखाई देते हैं, जैसे:

   - **राजनीति**: किसी बड़े नेता के पीछे काम करने वाले कार्यकर्ता।
   - **सिनेमा और नाटक**: पर्दे के पीछे काम करने वाले तकनीशियन, मेकअप आर्टिस्ट, लाइटमैन आदि।
   - **सेना**: युद्ध के मैदान में अपने नेता का साथ देने वाले सैनिक।
   - **खेल**: टीम में मुख्य खिलाड़ी का साथ देने वाले अन्य खिलाड़ी।
   - **व्यापार**: किसी बड़े उद्योगपति के साथ काम करने वाले कर्मचारी या सहायक।

3. **संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?**

   उत्तर: संगतकार मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद कई तरीकों से करते हैं:

   - वे उनके स्वर में अपना स्वर मिलाकर उनकी आवाज़ को बल देते हैं।
   - जब गायक ऊँची आवाज़ में गाते हुए थक जाते हैं, तो संगतकार उन्हें सहारा देते हैं।
   - वे गायक की लय को बिगड़ने नहीं देते और स्थायी (स्थायी स्वर) को संभाले रखते हैं।
   - वे गायक को याद दिलाते हैं कि वे अकेले नहीं हैं और उन्हें फिर से गाने के लिए प्रेरित करते हैं।
   - गायक जब जटिल तानों में खो जाते हैं, तो संगतकार उन्हें सही राह पर वापस लाते हैं।

4. **भाव स्पष्ट कीजिए- 'और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है उसे विफलता नहीं उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।'**

   उत्तर: इस पंक्ति का भाव यह है कि संगतकार जानबूझकर अपनी आवाज़ को मुख्य गायक की आवाज़ से ज़्यादा ऊँचा नहीं उठाता। उसकी यह हिचक या कोशिश उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसका बड़प्पन और सम्मान है। वह अपनी आवाज़ को ऊँचा न उठाकर यह दिखाता है कि वह मुख्य गायक को पूरी इज्ज़त देता है और उसकी सफलता में अपनी सफलता देखता है। यह उसकी मानवीयता है जो उसे बिना श्रेय की चिंता किए काम करने के लिए प्रेरित करती है।

www.onepointlearning.com

5. किसी भी क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने वाले लोगों को अनेक लोग तरह-तरह से अपना योगदान देते हैं। कोई एक उदाहरण देकर इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर: क्रिकेट के खेल में एक बल्लेबाज शतक बनाता है और वह सारी वाहवाही बटोरता है। लेकिन, उसके शतक के पीछे पूरी टीम की मेहनत होती है। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़ा दूसरा बल्लेबाज रन लेने में उसका साथ देता है। फ़ील्डिंग करने वाले खिलाड़ी विपक्षी टीम के रन रोकते हैं। गेंदबाज़ सामने वाली टीम को कम स्कोर पर आउट करते हैं। कोच, ट्रेनर, और फिजियो भी खिलाड़ी को मैदान के लिए तैयार करते हैं। इस तरह, बल्लेबाज की सफलता में पूरी टीम और स्टाफ का योगदान होता है, लेकिन श्रेय अक्सर केवल उसी को मिलता है।

6. कभी-कभी तारसप्तक की ऊँचाई पर पहुँचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरता नज़र आता है और उस समय संगतकार उसे बिखरने से बचा लेता है। इस कथन के आलोक में संगतकार की विशेष भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: जब मुख्य गायक तारसप्तक (सबसे ऊँचा स्वर) में गाते हुए थक जाता है और उसका गला बैठने लगता है, तो उसकी आवाज़ कमज़ोर और बेजान हो जाती है। ऐसे समय में, संगतकार अपनी आवाज़ से उसे सहारा देता है। वह अपनी आवाज़ मिलाकर मुख्य गायक को यह अहसास कराता है कि वह अकेला नहीं है। इससे मुख्य गायक में फिर से ऊर्जा आती है और उसका आत्मविश्वास लौट आता है। इस तरह संगतकार उस मुश्किल समय में उसके बिखरते हुए स्वर को सँभालकर उसकी गायकी को असफल होने से बचा लेता है।

7. सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाता है तब उसे सहयोगी किस तरह सँभालते हैं?

उत्तर: जब कोई व्यक्ति सफलता के चरम पर पहुँचकर लड़खड़ाता है, तो उसके सहयोगी कई तरह से उसे सँभालते हैं:

- वे उसे भावनात्मक रूप से सहारा देते हैं और उसका आत्मविश्वास बढ़ाते हैं।
- वे उसे याद दिलाते हैं कि उसने पहले क्या-क्या हासिल किया है।
- वे उसकी गलतियों को सुधारने में मदद करते हैं और सही राह दिखाते हैं।
- वे उसे काम करने के लिए प्रेरित करते हैं और उसे अकेला महसूस नहीं होने देते।
- वे उसे नए सिरे से शुरुआत करने का मौका देते हैं और हर कदम पर उसका साथ देते हैं।

www.onepointlearning.com

रचना और अभिव्यक्ति

8. कल्पना कीजिए कि आपको किसी संगीत या नृत्य समारोह का कार्यक्रम प्रस्तुत करना है, लेकिन आपके सहयोगी कलाकार किसी कारणवश नहीं पहुँच पाएँ।

(क) ऐसे में अपनी स्थिति का वर्णन कीजिए।

उत्तर: अगर मेरे सहयोगी कलाकार नहीं पहुँच पाते, तो मेरी स्थिति काफी तनावपूर्ण और निराशजनक होगी। मैं अकेला मंच पर जाने से घबरा सकता हूँ और मुझे लगेगा कि मैं दर्शकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाऊँगा। मन में यह डर होगा कि कहीं मेरी प्रस्तुति अच्छी न हो पाए और मैं असफल हो जाऊँ।

(ख) ऐसी परिस्थिति का आप कैसे सामना करेंगे?

उत्तर: ऐसी परिस्थिति में, मैं सबसे पहले शांत रहने की कोशिश करूँगा। मैं मंच पर जाकर दर्शकों को स्थिति के बारे में बताऊँगा और उनसे माफ़ी माँगूँगा। मैं उन्हें अपनी प्रस्तुति में कुछ बदलावों के बारे में बताऊँगा, जैसे कि सोलो प्रदर्शन करना या संगीत का उपयोग करना। मैं अपनी पूरी मेहनत और लगन से प्रदर्शन करूँगा ताकि दर्शकों को निराश न होना पड़े। मैं दर्शकों से भी भावनात्मक जुड़ाव बनाने की कोशिश करूँगा ताकि वे मुझे सहारा दें।

9. आपके विद्यालय में मनाए जाने वाले सांस्कृतिक समारोह में मंच के पीछे काम करने वाले सहयोगियों की भूमिका पर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर: विद्यालय में होने वाले सांस्कृतिक समारोह की सफलता में मंच के पीछे काम करने वाले लोगों का बहुत बड़ा हाथ होता है। ये लोग पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं, लेकिन उनके बिना कोई भी कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता। मंच को सजाने से लेकर कलाकारों के लिए लाइट और साउंड की व्यवस्था करने तक, सब कुछ उन्हीं की जिम्मेदारी होती है। वे सही समय पर माइक और वाद्य यंत्रों को तैयार रखते हैं, कलाकारों को उनके रोल के लिए तैयार करते हैं और उनके कपड़े तथा प्रॉप्स का ध्यान रखते हैं। अगर कोई कलाकार अचानक बीमार हो जाए या कोई समस्या आ जाए, तो ये लोग तुरंत उसका समाधान करते हैं। इनका योगदान पर्दे के पीछे होता है, इसलिए अक्सर इन्हें कोई नहीं जानता, लेकिन ये ही असली 'संगतकार' होते हैं जो पूरे समारोह को सफल बनाते हैं।

10. किसी भी क्षेत्र में संगतकार की पंक्ति वाले लोग प्रतिभाशाली होते हुए भी मुख्य या शीर्ष स्थान पर क्यों नहीं पहुँच पाते होंगे?

उत्तर: संगतकार की पंक्ति वाले लोग प्रतिभाशाली होते हुए भी शीर्ष स्थान पर इसलिए नहीं पहुँच पाते क्योंकि वे प्रायः अपने योगदान को सामने लाने के बजाय मुख्य कलाकार का सहारा बनते हैं। उनकी विनम्रता, सहयोगभाव और पीछे रहकर काम करने की प्रवृत्ति उन्हें लोकप्रियता से दूर रखती है, पर उनकी भूमिका उतनी ही महत्त्वपूर्ण होती है।

www.onepointlearning.com